. **What Is Psychological Abnormality?**

Four D view of abnormality.

(a)Deviant------ If someone's behaviour, thoughts, and emotions are different from those that are considered normal in our place and time, it is called deviant.

Or

Behaviour that breaks norms of society are considered to be deviant.

Or

Behaviour that is different from social expectation is also called deviant

Or

Behaviour that is different from society's idea for proper functioning is deviant

For example walking nude in the street, laughing in condolence, not taking bath for months , hating the world, wishing themselves dead, or obeying voices that no one else hears.

(b) *distressing*------ If people suffer or experience psychological pain which is unpleasant and upsetting then we can say that person is in distress.

For example, a person in depression **or anxiety** will always feel distressed.

(c)Dysfunctional---- This is the inability of a person to conduct daily activities in a constructive and effective *way*.

For example, they cannot care for themselves properly, participate in ordinary social interactions, or work productively, quit their job, leave their family, and withdraw from the productive life he once led.

(d) *dangerous*------ this is the type of behaviour that becomes *dangerous* to oneself or other.

For example if a person claim to harm oneself or other

मनोवैज्ञानिक असामान्यता क्या है?

असामान्यता का फोर डी

(क) विचलन (Deviant) ------ यदि किसी का व्यवहार, विचार और भावनाएं हमारे स्थान और समय में सामान्य माने जाने वाले व्यवहार से भिन्न हैं, तो उसे विचलन कहा जाता है।

या

व्यवहार जो समाज के मानदंडों को तोड़ता है उसे विचलित माना जाता है।

अथवा

व्यवहार जो सामाजिक अपेक्षा से भिन्न होता है उसे विचलन भी कहते हैं

या

जो उचित कृत्य, प्रकार्य से सम्बंधित समाज के विचार से अलग व्यवहार है, वह विचलित है

उदाहरण के लिए सड़क पर नग्न घूमना, शोक में हंसना, महीनों तक न नहाना, दुनिया से नफरत करना, खुद को मारना चाहना, या उन आवाजों का सुनना जो कोई और नहीं सुनता।

(बी) *परेशान करने वाला (distressing)* ------ यदि लोग पीड़ित हैं या मनोवैज्ञानिक दर्द का अनुभव करते हैं जो अप्रिय और परेशान करने वाला है तो हम कह सकते हैं कि वह व्यक्ति संकट में है।

उदाहरण के लिए एक व्यक्ति अवसाद में **या चिंता** हमेशा व्यथित महसूस करेगी।

(सी) अक्रियाशील (Dysfunctional) ---- यह एक व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को रचनात्मक और प्रभावी *तरीके से करने में असमर्थता को दर्शाता है*।

उदाहरण के लिए, वे स्वयं की ठीक से देखभाल नहीं कर सकते, सामान्य सामाजिक अंतःक्रियाओं में भाग नहीं ले सकते, या उत्पादक रूप से काम नहीं कर सकते, अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं, अपने परिवार को छोड़ सकते हैं, और एक बार उनके द्वारा नेतृत्व किए गए उत्पादक जीवन से हट सकते हैं।

(घ) *खतरनाक (danger)* ------ यह उस प्रकार का व्यवहार है जो अपने या दूसरे के लिए खतरनाक हो सकता है

उदाहरण के लिए यदि कोई व्यक्ति खुद को या दूसरे को नुकसान पहुंचाने का दावा करता है

Benefit of classification system for mental disorder (DSM-5, ICD-10)

मानसिक विकार के लिए वर्गीकरण प्रणाली के लाभ

- It Contains list of mental disorder and symptoms associated with it इसमें मानसिक विकार और इससे जुड़े लक्षणों की सूची दी गए है
- It explore the causes and prevention of disorder इसके द्वारा विकार के कारणों और रोकथाम का पता लगाता है।
- It also revels about distribution of disorder (विकार की व्यापकता और उसके प्रसार की भी जानकारी मिलती है)
- it gives information about course of disorder.(रोग की समयावधि, पहली बार प्रकट होने का समय ,उपचार नहीं होने के कारण होने वाले प्रभाव के बारे में विवरण रहता है)
- It also mention about co morbidity (simultaneous presence of two or more diseases) एकसाथ घटित होनेवाले रोगों का विवरण
- Helps to speak common language so better to communicate इसका उपयोग विभिन्न लोगो के बिच बेहतर संवाद के लिए एक सर्वमान्य भाषा के रूप में किया जाता है
- It is used for diagnostic purpose includind differential diagnosis(सामान दिखने वाले विकारो में भेद करने हेतु कुछ खास संकेतो ,लक्षणों आदी का विवरण दिया जाता है)
- Classification of mental disorder helps for treatment इसके द्वारा मानसिक विकार का वर्गीकरण तथा उपचार में मदद करता है।

biological factor for abnormality

Biological theorists view abnormal behaviour as an illness brought about by structural or functional change of the body of organism.

Structural change is associated with change in neuroanatomy and functional change is associated with change in biochemistry of brain. Both types of changes may be caused by damage of the brain or faulty gene.

For example Head injuries or infection can cause brain damage, which may produce illness to the person.

Much of the mental illness is also the result of an inherited gene or group of genes. Disorders like bipolar and related disorders, schizophrenia, intellectual disability and other psychological disorders have been linked to genetic factor.

Neuron is basic functional unit of brain which transmit message with the help of chemical called neurotransmitter. Many studies have found abnormal levels of certain neurotransmitters are associated with different mental disorders. For example Anxiety disorders have been linked to low activity of the neurotransmitter *gamma aminobutyric acid* (GABA), schizophrenia to excess activity of *dopamine,* and depression to low activity of *serotonin*.

Hormonal deficiencies or imbalances can cause a variety of symptoms similar to those seen in mood, anxiety, eating, and some personality disorders.

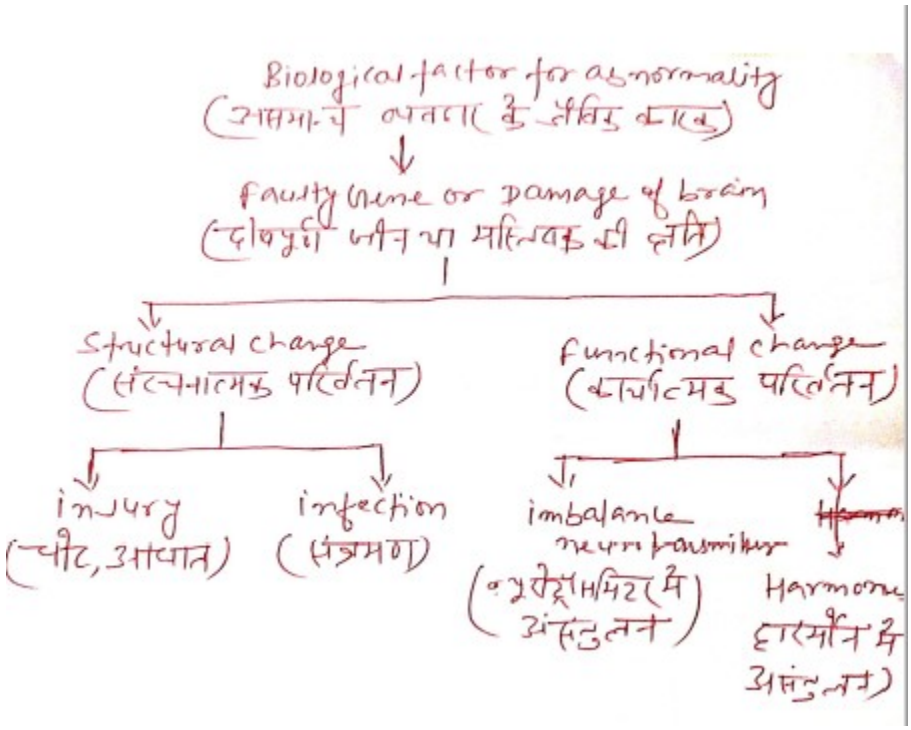

असामान्य व्यव्हार के जैविक कारण

जैविक सिद्धांतकार असामान्य व्यवहार को जीव के शरीर में संरचनात्मक या कार्यात्मक परिवर्तन के कारण होने वाली बीमारी के रूप में देखते हैं।

संरचनात्मक परिवर्तन न्यूरोएनाटॉमी में परिवर्तन से जुड़ा है और कार्यात्मक परिवर्तन मस्तिष्क के जैव रसायन में परिवर्तन से जुड़ा है। दोनों प्रकार के परिवर्तन मस्तिष्क की क्षति या दोषपूर्ण जीन के कारण हो सकते हैं।

उदाहरण के लिए सिर की चोट या संक्रमण से मस्तिष्क क्षति हो सकती है, जिससे व्यक्ति को बीमारी हो सकती है।

अधिकांश मानसिक बीमारी दोषपूर्ण वंशागत जीन या जीन के समूह के कारण भी होता है । द्विध्रुवी संबंधित विकार, सिज़ोफ्रेनिया, बौद्धिक अक्षमता और अन्य मनोवैज्ञानिक विकारों को आनुवंशिक कारक से जोड़ा गया है।

न्यूरॉन मस्तिष्क की बुनियादी कार्यात्मक इकाई है जो न्यूरोट्रांसमीटर नामक रसायन की मदद से संदेश प्रसारित करती है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ न्यूरोट्रांसमीटर के असामान्य स्तर विभिन्न मानसिक विकारों को जन्म देते हैं। उदाहरण के लिए चिंता विकारों में न्यूरोट्रांसमीटर *गामा एमिनोब्यूट्रिक एसिड* (जीएबीए) के कमी , सिज़ोफ्रेनिया में *डोपामाइन की अधिकता* और अवसाद से *सेरोटोनिन*। के कमी को उतरदायी माना गया है

हार्मोन की कमी या असंतुलन भावदशा विकार , चिंता, खाने और कुछ व्यक्तित्व सम्बंधित विकार पैदा कर सकता है।